सकल सृष्टि के करता, रक्षक स्तुति धर्मा आदि सृष्टि मे विधि को श्रुति उपदेश दिया जीव मात्रा का जाग मे, ज्ञान विकास किया ऋषि अंगीरा ताप से, शांति नहीं पाई Bhajans Bhakti Songs

सकल सृष्टि के करता, रक्षक स्तुति धर्मा ॥आदि सृष्टि मे विधि को श्रुति उपदेश दिया ।
जीव मात्रा का जाग मे, ज्ञान विकास किया ॥ऋषि अंगीरा ताप से, शांति नहीं पाई ।
रोग ग्रस्त राजा ने जब आश्रया लीना ।
संकट मोचन बनकर डोर दु:खा कीना ॥
जय श्री विश्वकर्मा. जब रथकार दंपति, तुम्हारी टर करी ।
सुनकर दीं प्रार्थना, विपत हरी सागरी ॥ एकानन चतुरानन, पंचानन राजे ।
त्रिभुज चतुर्भुज दशभुज, सकल रूप सजे ॥ध्यान धरे तब पद का, सकल सिद्धि आवे ।
मन द्विविधा मिट जावे, अटल शक्ति पावे ॥श्री विश्वकर्मा की आरती जो कोई गावे ।

भाजात गजानांद स्वामी, सुख संपाति पावे ॥
जय श्री विश्वकर्मा.

Source:
https://www.bharattemples.com/sakal-srshti-ke-karata-rakshak-stuti-dharma/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw